Bal Bharati
PUBLIC SCHOOL
Sector – 21, Noida
Phone : 0120-2534064, 2538533 / e-mail : bbpsnd@yahoo.co.in
Website : http : www/bbpsnoida.com

Workshop/Seminar Feedback Form

Workshop/Seminar title: Remodeled Assessment

Workshop/Seminar Date: 24 नवंबर, 2018

Venue: होली पब्लिक स्कूल , ग्रेटर नौएडा

Attended by: कोमल मैंदीरत्ता , मोहित भोला

Resource Person: श्री अरविंद श्रीवास्तव
Organizer: सी बी एस ई

Profile of the Resource Person: डायरेक्टर–प्रिंसिपल, साई पब्लिक स्कूल ,काशीपुर

Content of the Workshop/Seminar

- सत्र का आरंभ एक आकर्षक गतिविधि के माध्यम से हुआ जिसके पश्चात् उपस्थित शिक्षकों का औपचारिक परिचय हुआ।

- सी बी एस ई की विभिन्न नीतियों पर चर्चा करते हुए हाल ही में समाप्त की गई सी सी ई प्रणाली के सकारात्मक तथा नकारात्मक पक्षों पर चर्चा–परिचर्चा की गई। यह बताया गया कि सी सी ई को सही प्रकार से लागू न कर पाने के कारण उसका सही परिणाम नहीं आया।

- यह हर शिक्षक के लिए अनिवार्य है कि वह यह समझ ले कि उसके शिक्षण का न्यूनतम अधिगम स्तर प्राप्त हो पाया है या नहीं ,उन्हें इसके लिए प्रप्रयास करते रहने चाहिएँ।

- इसके साथ ही उन्हें विद्यार्थियों के विभिन्न स्तरों को ध्यान में रखते हुए अधिगम को प्रभावशाली बनाना चाहिए।

अनमोल वचन

- यह जोर दिया गया कि अधिगम–शिक्षण के कार्य में जीवन मूल्यों का हर स्तर पर महत्वपूर्ण स्थान है और रहेगा इसके बिना यह कार्य अधूरा ही रहेगा।

- छात्रों को कक्षा में सक्रिय बनाने के लिए विभिन्न क्रियाकलापों पर भी चर्चा की गई जैसे व्यावहारिक अनुभवों का आदान–प्रदान, उन्हीं के जीवन से जोड़कर पढ़ाना ,समय–समय पर उन्हें प्रोत्साहन देना ,सामूहिक गतिविधियों पर जोर देना ,बीच–बीच में प्रश्न पूछते रहना आदि।

- कक्षा में वहीं नियम बनाए जाएँ ,जो अनिवार्य हों। छात्रों पर किसी भी प्रकार की जोर–जबरदस्ती नहीं की जानी चाहिए।

<u>सतत प्रयासरत</u>

- प्रत्येक सत्र के आरंभ में छात्रों को हर प्रकार की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार करना चाहिए और और उनकी विशिष्टताओं को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम का निर्माण करना चाहिए।

- शिक्षण के दौरान प्रत्येक विषय में जहाँ तक संभव हो सके नई तकनीकियों को प्रयोग में लाना चाहिए।

- इंटरनेट ,कंप्यूटर आदि चीजें बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करती है इसलिए पाठ इनके माध्यम से पढ़ा सकें ,तो अवश्य पढ़ाएँ।

- दसवीं कक्षा के पाठ्यक्रम तथा प्रश्न–पत्र–निर्माण पर चर्चा की गई तथा यह बताया गया कि अंक–विभाजन के आधार पर छात्रों को समय–नियोजन के विषय में जागरुक किया जाए जिससे कि वे सकारात्मक रूप से परीक्षा दें।

- अपनी सोच को सतत सकारात्मक बनाए रखने पर बल तथा सतत प्रयासशील बनें रहने की प्रेरणा।
- प्रत्येक छात्र विशिष्ट होता है, अतः अध्यापकों का यह कर्तव्य है कि वे उसकी विशिष्टताओं को ध्यान में रखते हुए ही कार्य करें।
- प्रत्येक अध्यापक का आचार–व्यवहार छात्रों के लिए आदर्श होना चाहिए। इसलिए सजग कार्यप्रणाली अपनाना अनिवार्य है।
- शिक्षण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें छात्रों के साथ–साथ शिक्षक भी प्रभावी मूल्य ग्रहण करते हैं , अतः सीखने के लिए तत्पर रहें।

- अपने शिक्षण को जीवन–मूल्यों जैसे – प्रेम , भाईचारा , सद्भावना आदि से जोड़ें जिससे कि छात्र प्रत्यक्ष एवं परोक्ष दोनों रूपों में ही उनसे परिचित होता रहे।

- छात्रों को कक्षा में स्वाभिव्यक्ति के पूरे-पूरे मौके दें जैसे कि चर्चा-परिचर्चा , व्यावहारिक अनुभवों का आदान-प्रदान आदि। इस प्रकार छात्रों में संवेदना का जागरण होता है और शिक्षण-आधिगम अधिकाधिक रहता है।
- सी बी एस ई द्वारा जारी सूचनाओं का सही अर्थ जानकर उन्हें विद्यालय में लागू किया जाना अनिवार्य है।
- सी बी एस ई तथा एन सी ई आर टी के पाठ्य-पुस्तक-निर्माण संबंधी प्रमुख उद्देश्यों पर संक्षिप्त चर्चा-परिचर्चा की गई।
- इस बात पर बल दिया गया कि छात्रों की सोच को गतिशील बनाना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए न कि रटंत-शिक्षा को बढ़ावा देना।
- छात्रों में सटीकता, संप्रेषण, कुशलता का पल्लवन, उपयुक्त शब्दों का चुनाव करने की योग्यता विकसित होनी चाहिए।

आओ! कुछ नया करें

1. **Learning outcomes (Knowledge and Information) from the workshop/Seminar?**

- सक्रिय जीवन-शैली अपनाना अनिवार्य है।
- कुछ भी कठिन नहीं है यदि काम को पूरा करने का जुनून है।
- संकल्प-बद्ध होकर कार्य करने से शेष सभी कार्य आपे आप सिद्ध हो जाते हैं।
- स्वयं की तुलना दूसरों से कदापि न करें।
- अपनी विशिष्टताओं को ही अपना सबसे बड़ा चालक बनाएँ।

2. **Which topics or aspects of the workshop/Seminar did you find most interesting or useful and can be applied to the classroom teaching?**

- छात्रों में समय-समय पर विभिन्न अनुभवों का आदान-प्रदान करते हुए सकारात्मकता का पल्लवन करते रहना।

- जीवन में कभी भी हार न मानने की प्रेरणा का पुनर्जागरण करते रहना।
- विभिन्न उद्धरणों , काव्य एवं कथा–प्रसंगों आदि के माध्यम से जोश बनाए रखना।
- छात्रों में समय–समय पर भटकाव की परिस्थिति पैदा हो जाती है, इसके लिए उनका मार्गदर्शन करते रहना।
- पोस्टर–निर्माण , कोलाज–निर्माण , पात्राभिनय , एकालाप आदि गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को स्वयं कार्यशील बनाने का प्रयास करना।
- प्रश्न–पत्र–निर्माण एवं अंक–विभाजन के आधार पर कार्य करने हेतु प्रेरणा।

3. **How will you implement the knowledge & techniques acquired to your subject?**

- हिंदी–भाषा चूँकि अधिकांश छात्रों की मातृभाषा होती है , अतः इसके शिक्षण के माध्यम से उनमें विभिन्न मूल्यों तथा संवेदनाओं का जागरण करना एक हिंदी भाषा–शिक्षक का परम कर्तव्य है। इसके लिए उपर्युक्त सभी प्रमुख बिंदुओं को ध्यान में रखकर अपने शिक्षण को छात्रों से जोड़ना बहुत सीमा तक संभव हो पाएगा।
- कथा , काव्य–पाठ , चर्चा–परिचर्चा , भाषण , वाद–विवाद , पात्राभिनय आदि कुछ ऐसी गतिविधियाँ हैं जो कि प्रत्येक छात्र को अनायास ही बहुत–से जीवन–मूल्यों की शिक्षा दे जाती हैं। एक भाषा–शिक्षक के लिए ये सभी बहुत ही कारगर सिद्ध होंगी।

4. **Comments and suggestions (How do you think the workshop/Seminar could have been made more effective?)**

अंतिम सत्र बहुत ही उपयोगी सिद्ध होता यदि वक्ता को उचित समय प्रदान किया जाता। उनके एक और सत्र की अपेक्षा रहेगी।

5. **Was the advance briefing about the workshop/Seminar appropriate?**

जी हाँ! कार्यशाला हेतु दिया गया पूर्व विवरण सटीक था।

उचित मार्गदर्शन

YES NONOT SURE

GENERAL FEEDBACK

• The workshop/Seminar was applicable to my job	✓	❍	❍
• I will recommend this workshop/Seminar for other faculty members.	✓	❍	❍
• The program was well paced within the allotted time	✓	❍	❍
• The material was presented in an organized manner	✓	❍	❍
• The resource person was a good communicator	✓	❍	❍
• The resource person was knowledgeable on the topic	✓	❍	❍
• I would be interested in attending a follow-up, more advanced workshop / Seminar on this same subject	✓	❍	❍
• I will be able to conduct follow up workshop for the benefit of fellow Staff Members	✓	❍	❍

Report submitted by

Name कोमल मैंदीरत्ता , माहित भोला

Designation टी जी टी (हिंदी) , टी जी टी (फ्रेंच)

Submission Date 26 नवंबर, 2018